॥ जय गुरु नाना ॥ ॥ जय महावीर ॥ ॥ जय गुरु राम ॥

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

(राजस्थान संस्था रजिस्ट्रीकरण 1958 के अन्तर्गत रजिस्टर्ड)

प्रधान कार्यालय : 'समता भवन' आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड,
गंगाशहर, बीकानेर–334004 (राज.) फोन नं. 0151–2270261
ईमेल : ho@sadhumargi.com वेबसाईट : www.sadhumargi.com

सदस्यता क्र. ..... **पंचसहस्त्री श्रद्धाभिषिक्त परिवारांजलि** दिनांक .....

परिवारांजलि/ विहार/संत भक्ति

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
☐	☐	☐	☐	☐	☐	☐	☐	☐	☐	☐

अंजलि ग्रहण करने वाले का नाम - .....

परिवार के मुखिया का नाम - ..... MID नम्बर : .....

शहर/गांव - ..... जिला ..... मोबाईल नं. .....

श्रावक/श्राविका यह फॉर्म भरकर संग्रह करने वाले कार्यकर्ता को देवें।

आचार्य श्री नानेश जन्म शताब्दी महोत्सव 2020 पूर्व तैयारी

पंचसहस्त्री श्रद्धाभिषिक्त परिवारांजलि

नियमावली

परम पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलालजी म.सा. द्वारा प्रदत्त संघ द्वारा प्रदत्त

1.	रात्रि भोजन त्यागांजलि परिवार	☐
2.	सचित जलग्रहण त्यागांजलि परिवार	☐
3.	ज्ञानांजलि परिवार	☐
4.	पौषधांजलि परिवार	☐
5.	संवरांजलि परिवार	☐
6.	शुद्धभिक्षांजलि परिवार	☐
7.	संकल्प सूत्रांजलि परिवार	☐
8.	संघ सेवांजलि परिवार	☐
9.	संस्कार संवर्धन अंजलि परिवार	☐
10.	विहार भक्ति परिवार	☐
11.	संत भक्ति परिवार	☐

अनन्य महोत्सव 2020 आचार्य श्री नानेश जन्म शताब्दी पूर्व तैयारी श्री अ.भा.सा. जैन संघ द्वारा प्रदत्त पंचसहस्त्री विहार भक्ति परिवार - संत भक्ति परिवार

अंजलि ग्रहण करने वाले श्रावक- श्राविका का नाम :- .....

परिवार के मुखिया का नाम :- .....

उपरोक्त नियमों का पालन करेंगे।

(इस फॉर्म को भरकर व्हाट्सअप नं. मो. - 7231033008, ई-मेल parivaranjali2020@gmail.com अथवा पोस्ट द्वारा केन्द्रीय कार्यालय भिजवायें।)

सदस्यता क्र. .....

दिनांक - ..... हस्ताक्षर - .....

श्रावक/श्राविका यह फॉर्म भरकर अपने पास रख सकते हैं।

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

(राजस्थान संस्था रजिस्ट्रीकरण 1958 के अन्तर्गत रजिस्टर्ड)

प्रधान कार्यालय : 'समता भवन' आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड,
गंगाशहर, बीकानेर–334004 (राज.) फोन नं. 0151–2270261
ईमेल : ho@sadhumargi.com वेबसाईट : www.sadhumargi.com

परमपूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलालजी म.सा. द्वारा प्रदत्त 9 अंजलियाँ

1. **रात्रिभोजन त्यागांजलि परिवार–**
   ऐसे साधुमार्गी परिवार जिनमें कम से कम एक व्यक्ति आजीवन रात्रि तिविहार का त्याग करें।
2. **सचित जल ग्रहण त्यागांजलि परिवार–**
   साधुमार्गी परिवार ऐसे हों, जिनमें से कम से कम एक सदस्य घर में रहते हुए सचित पानी का त्यागी हो।
3. **ज्ञानांजलि परिवार–**
   साधुमार्गी परिवार ऐसे हों, जिनमें–
   (1) कम से कम एक सदस्य की सामायिक सूत्र कंठस्थ हो व प्रतिदिन एक सामायिक करता हो।
   (2) कम से कम एक सदस्य को प्रतिक्रमण सूत्र कंठस्थ हो व प्रतिमाह कम से कम दो बार प्रतिकमण करता हो।
   (3) कम से कम एक सदस्य को पच्चीस बोल याद हों व प्रतिमाह कम से कम एक बार फेरता हो।
4. **पौषधांजलि परिवार–**
   साधुमार्गी परिवार ऐसे हो जिनमें कोई एक व्यक्ति प्रतिमाह एक पौषध या एक दया करने वाला हो।
5. **संवरांजलि परिवार–**
   साधुमार्गी परिवार ऐसे हों, जिनमें कम से एक सदस्य एक पूरी रात (सूर्यास्त से लेकर अगले दिन सूर्योदय तक) का संवर प्रत्येक माह में कम से कम एक बार करने वाला हो।
6. **शुद्धभिक्षांजलि परिवार–**
   साधुमार्गी परिवार ऐसे हो, जिनके सभी सदस्य साधु–साध्वियों को गोचरी–पानी बहराने में बिल्कुल दोष न लगाए।
7. **संकल्प सूत्रांजलि परिवार–**
   साधुमार्गी ऐसे हो, जिनमें कम से कम एक सदस्य माह में एक बार साधुमार्गी संकल्प सूत्र का वाचन करने वाला हो।
8. **संघ सेवांजलि परिवार–**
   साधुमार्गी परिवार में कोई एक सदस्य सप्ताह में तीन घण्टे समाज और संघ की सेवा करेगा।
9. **संस्कार संवर्धन अंजलि परिवार –**
   कम से कम 10000 श्रावक श्राविकाएँ आजीवन निम्न प्रकार की दिनचर्या का अनुपालन करें–
   (1) सूर्योदय से पूर्व जागृत लेना (2) 10 मिनट आत्म चिंतन, (3) 15 मिनट बच्चों को धार्मिक शिक्षा

श्री अ.भा.सा. जैन संघ द्वारा प्रदत्त

10. **संत भक्ति परिवार–**
    परिवार जहाँ निवासरत हैं उस केन्द्र बिंदु से 3 कि.मी. के क्षेत्र /परिधि में जो चारित्रात्माएँ विराजित हों, उनका दर्शन अवश्य करें तथा उनके सान्निध्य को सुवर्ण अवसर समझकर सेवा का हितलाभ व पुण्य भी अर्जित करना।
11. **विहार भक्ति परिवार–**
    ऐसे संघनिष्ठ परिवार जो वर्षभर में 10 दिवस विहार सेवा में अर्पित करने हेतु संकल्पित हो। यह विहार सेवा परिवार का कोई भी सदस्य प्रदत्त कर सकेगा।